छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित
(उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से स्थायी संबद्ध)

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर के बाजू ,डूमर तालाब ,रायपुर (छ.ग.)
E-Mail- vipracollege1996@gmail.com
Visit on- www.vipracollege.org
पंजीयन क –17951
Phone No. 9406082000

क्रमांक / / /

दिनाँक– – –

प्रति,

प्राचार्य
विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

विषय– ग्रंथालय सलाहकार समिति बैठक रिपोर्ट 2019–20।

ग्रंथालय सलाहकार समिति के सदस्यगणः–

1. डॉ.मेघेश तिवारी
2. प्रो. गिरीशकांत पाण्डेय
3. डॉ.कैलाश शर्मा
4. डॉ.दिव्या शर्मा
5. श्रीमती प्रणीता शर्मा
6. श्री विवेक शर्मा
7. श्री सुनील सिंग
8. श्री मोहित श्रीवास्तव
9. श्रीमती सुमन पांडेय

ग्रंथालय सलाहकार समिति बैठक रिपोर्ट समीक्षा 2019–20

बैठक क्रमांक	बैठक	विशय सूची	पारित प्रस्ताव	कार्यान्वयन की स्थिति
प्रथम बैठक	दिनाक 23–7–2019 समय–12 बजे स्थान–ग्रंथालय	1. नये सत्र हेतु पुस्तक एव जर्नल्स खरीदी हेतु। 2. पुराने जर्नल्स के नवीनीकरण के संबंध में। 3. फायर सिस्टम की आवश्यकता। 4. पुस्तक रैक खरीदी के सबंध मे । 5. कंम्प्यूटर में एन्टीवायरस डलवाने हेतु।	1. नये सत्र हेतु पुस्तक एव जर्नल्स की खरीदी हेतु एक सप्ताह के अंदर सभी संकाय की सूची ग्रथालय में देने हेतु आदेशित किया। 2. पुराने जर्नल्स की नवीनीकरण हेतु अनुमोदन। 3. ग्रथालय में प्राध्यापकों की उपस्थिति सबंधी जानकारी 15 दिनों में देने हेतु निर्देश। 4. फेकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम के तहत एक व्याख्यान ग्रंथालय से संबधित कराने हेतु निर्देशित किया गया। 5. सभी कंम्प्यूटर में एन्टीवायरस डालने हेतु निर्देशित किया गया।	1. प्रायः सभी सकाय से पुस्तक खरीदी हेतु पुस्तक सूची प्राप्त कर ली गयी है। 2. पुराने जर्नल्स की नवीनीकरण की प्रकिया प्रारंभ कर दी गयी है। 3. अब से ग्रंथालय मे प्राध्यापको की उपस्थितिक के सबध मे जानकारी दी जायेगी। 4. फेकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम के तहत दिनाक 30 जुलाई 2019 को ग्रथालय एवं शोध प्रकोष्ठ के सयुक्त तत्वावधान मे ई–रिसोर्स–एन लिस्ट विषय पर प.रवि.शु वि.वि. रायपुर के प सुदंरलाल शर्मा ग्रथागार के ग्रथपाल डॉ. एस.सुनगुप्ता का अतिथि व्याख्यान रखा गया।

तीय बैठक	दिनाक 18–01–20 समय–12 30 बजे स्थान–ग्रंथालय	1 यू.जी.सी. कोर लिस्ट के अनुसार जर्नल्स की वार्षिक सदस्यता लेने हेतु। 2 कम्प्यूटर के रखरखाव से संबधित । 3 नोड्स के बाद विद्यार्थी को पुस्तके इसु से संबधित। 4 एन लिस्ट की सदस्यता की समाप्ति मार्च माह में रेनुवल संबधित चर्चा। 5 पुराने जर्नल्स के नवीनीकरण से संबधित। 6 बुक बैंक से संबधित। 7 रिव्यांग विद्यार्थी हेतु ग्रंथालय सुविधा।	1 यू.जी.सी. कोर लिस्ट के अनुसार नये जर्नल्स की सदस्यता वार्षिक सदस्यता प्राप्त करने हेतु सहमति जिसके चार जर्नल्स के नाम प्रस्तावित किये गये। 2 पुराने दो जर्नल्स 'शारिरिक शिक्षा विभाग के नवीनीकरण कराने की अनुमति प्रदान की गई। 3 मार्च माह में एन लिस्ट की सदस्यता समाप्त होने वाली है उसके भी	1 यू.जी.सी. कोर लिस्ट के अनुसार नये जर्नल्स की वार्षिक सदस्यता प्राप्त कर ली गई है जिसके तहत 4 नये जर्नल्स की सदस्यता ली गयी। 2 पुराने दो जर्नल्स 'शारिरिक शिक्षा विभाग के नवीनीकरण कराये जा चुके है। 3 मार्च माह में एन लिस्ट की सदस्यता का नवीनीकरण कराये गये है।

ग्रंथालय सलाहकार समिति संयोजक
प्रणीता शर्मा
ग्रंथपाल

नवभारत 31 जुलाई '19

आज ई- रिसोर्स के बिना उच्च शिक्षा संभव नहीं : डॉ. सेनगुप्ता

विप्र कॉलेज में शोध प्रकोष्ठ व लाइब्रेरी द्वारा ई-रिसोर्स पर अतिथि व्याख्यान

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.

विप्र कॉलेज के सभागार में मंगलवार को शोध प्रकोष्ठ एवं लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में 'ई रिसोर्स - एन लिस्ट एवं ओपन सोर्स ईसोर्स' विषय पर अतिथि व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया. इसके अंतर्गत अध्ययन लाइब्रेरी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. एस. सेनगुप्ता ने बताया कि वह दिन जल्द आने वाला है जब प्रिंटिड बुक मिलनी बंद हो जाएगी और सिर्फ ई-रिसोर्स बुक रहेगी. इसलिये आज से हमें ई-रिसोर्स का उपयोग शुरू कर देना चाहिए.

उन्होंने कहा कि आज ई-रिसोर्स से हमारी जानकारी हमारे जेब में है. जो जानकारी या डाटा प्राप्त करने के लिये देश के एक कोने से दूसरे कोने जाना पड़ता था, आज हमारे पास उपलब्ध है. एन लिस्ट में साठ हजार बुक और 6 हजार जर्नल उच्च शिक्षा विभाग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निःशुल्क उपलब्ध हैं. इतनी बुक और जर्नल खरीदना विद्यार्थियों के लिये भी संभव नहीं है लेकिन एन लिस्ट में छत्तीसगढ़ से सिर्फ सौ कॉलेज पंजीकृत हैं. जबकि महाराष्ट्र में 1029 पंजीकृत कॉलेज हैं. नेशनल मिशन ऑफ एजुकेशन थ्रॉट द्वारा ई.पी.जी. पाठशाला में हमारे देश के शिक्षाविदों द्वारा हमारे बच्चों के लिये हमारे पाठ्यक्रम के अनुसार टेक्स्ट बुक, ऑडियो विजुअल सब उपलब्ध हैं. ई-ज्ञान कोष में इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय की सभी पाठ्यक्रम बुक्स उपलब्ध हैं. नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में देश की लगभग हर बुक उपलब्ध है. प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि उच्च शिक्षा और शोध के लिये ई-रिसोर्स आज की आवश्यकता है. शैक्षणिक सत्र के आरंभ में ही इसका उपयोग विद्यार्थियों को शुरू कर देना चाहिए. कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्या शर्मा और प्रणिता शर्मा ने किया.

हरिभूमि 31 जुलाई 2019

ई रिसोर्स के बिना उच्च शिक्षा असंभव

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में मंगलवार को शोध प्रकोष्ठ व लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में ई रिसोर्स एन लिस्ट एवं ओपन सोर्स ई सोर्स विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया था, जहां बोलने के लिए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी के अध्यक्ष डॉ. एस सेन गुप्ता पहुंचे। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि वह समय बहुत ही जल्द आने वाला है, जब प्रिंटेड किताब की जगह ई बुक ले लेगा। इसलिए हमें अब ई सोर्स का उपयोग करना शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा, आज ई रिसोर्स के कारण सारी जानकारी हमारी जेब में आ गई है। वहीं उन्होंने बताया एन लिस्ट में 60 हजार बुक और 6 हजार जर्नल उच्च शिक्षा विभाग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय निशुल्क प्रदान कर रहा है। इतना बुक एक साथ खरीदना किसी भी विवि के लिए संभव नहीं हैं। ई सोर्स के बिना उच्च शिक्षा लगभग असंभव हैं। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी के साथ अन्य विभाग के अध्यक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्या शर्मा व प्रणिता शर्मा ने किया।

'छत्तीसगढ़' 31 जुलाई 2019

वर्तमान में ई-रिसोर्स का प्रयोग जरूरी-एस सेन गुप्ता

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 31 जुलाई। छत्तीसगढ़ कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शोध प्रकोष्ठ एवं लायब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में विगत दिवस आयोजित ई-रिसोर्स-एन लिस्ट एवं ओपन सोर्स ई सोर्स विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. एस सेन गुप्ता ने कहा कि वह दिन जल्दी आने वाला है जब प्रिंटिंग बुक मिलनी बंद हो जाएगी। सिर्फ ई-बुक रहेगी। इस लिहाज से हमें ई-रिसोर्स का उपयोग करना शुरू करना होगा।

छत्तीसगढ़ कॉलेज सभागार में प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए डॉ. एस सेन गुप्ता ने कहा कि आज ई-रिसोर्स के कारण सारी जानकारी हमारी जेब में है। जिस जानकारी या डाटा प्राप्त करने के लिए मशक्कत करनी पड़ती थी, आज वह सहज उपलब्ध है। एन लिस्ट में 60 हजार बुक और 6 हजार जर्नल उच्च शिक्षा विभाग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निःशुल्क उपलब्ध है। नेशनल डिजीटल लायब्रेरी में देश की लगभग हर किताब उपलब्ध है। प्राध्यापक और विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर प्राचार्य मेघेश तिवारी ने कहा कि उच्च शिक्षा और शोध के लिए ई-रिसोर्स आज की आवश्यकता शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में भी इस दिशा में प्रयास करके विद्यार्थियों को ई-रिसोर्स का उपयोग करना सिखाना होगा।